◉ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1 अभिवृत्ति को परिभाषित करें। अभिवृत्ति के घटकों की विवेचना करें।
Define attitude. Discuss the components of attitude.

उत्तर- सामाजिक प्रभाव के कारण लोक व्यक्ति के बारे में तथा जीवन से जुड़े विभिन्न वि
के बारे में एक दृष्टिकोण विकसित करते हैं जो उनके अंदर एक व्यवहारात्मक प्र
के रूप में विद्यमान करती है अभिवृत्ति कहलाती है।

Scanned with CamScanner

अभिवृत्ति के तीन घटक होते हैं– भावात्मक, संज्ञानात्मक एवं व्यवहारात्मक। सांवेगिक घटक को भावात्मक पक्ष के रूप में जाना जाता है। विचारपरक घटक को संज्ञानात्मक पक्ष कहा जाता है। क्रिया करने की प्रवृत्ति को व्यवहारपरक या क्रियात्मक घटक कहा जाता है। इन तीनों घटकों को अभिवृत्ति का ए.बी.सी. घटक कहा जाता है। अभिवृत्ति स्वयं में व्यवहार नहीं है परन्तु यह एक निश्चित प्रकार से व्यवहार या क्रिया करने की प्रवृत्ति को प्रकट करती है। ये संज्ञान के अंग हैं जो सांवेगिक घटक से युक्त होते हैं तथा इनका बाहर से प्रेक्षण नहीं किया जा सकता है।

2 अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कौन-कौन से कारक हैं ?
What are the factors that influence the formation of an attitude ?
अथवा (Or), **मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने वाले कारकों का वर्णन करें।**
What are the factors responsible for changes in attitude ?

उत्तर– *अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कारकों में प्रमुख हैं–*

(i) ***व्यक्तिगत अनुभव***– जीवन की सार्थक घटनाएँ तथा परिस्थितियाँ भी अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करते हैं।

(ii) ***संचार माध्यम***– वर्तमान समय में एक महत्वपूर्ण कारक हैं जो हमारे विचारों तथा अभिवृत्तियों को प्रभावित करता है।

(iii) ***परिवार या समुदाय***– पुरस्कार एवं दंड के माध्यम से अभिवृत्ति के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

(iv) ***संदर्भ समूह***– अध्यापक, पुलिसकर्मी, विक्रेता आदि हमारी अभिवृत्तियों को प्रभावित करते हैं।

3 क्या अभिवृत्तियाँ अधिगत होती हैं ? (अर्थात् सीखी जाती हैं ?) वे किस प्रकार अधिगत होती है ? व्याख्या करें।
Are attitudes learnt ? How are they learnt ? Explain ?
अथवा (Or), **अभिवृत्तियाँ किस प्रकार निर्मित होती हैं ?**
How are attitudes formed ?
अथवा (Or), **अभिवृत्तियाँ किस प्रकार अर्जित की जाती है ?**
How are attitudes acquired ?

उत्तर– अभिवृत्तियाँ स्वयं के अनुभव तथा दूसरों से अतःक्रिया के माध्यम से सीखी जाती है।

अभिवृत्ति निर्माण की प्रक्रिया– अभिवृत्ति अर्जन का कार्य सीखने की निम्नांकित प्रक्रियाओं द्वारा होता है जो व्यक्ति के जीवन के अनुभवों की परिणति होती हैं–

(i) ***नैमित्तिक अनुबंधन***– जब व्यक्ति प्रमुख लोगों से किसी कार्य विशेष के लिए पुरस्कृत होता है तब वह उसके प्रति अभिवृत्ति विकसित कर लेता है। वस्तुतः पुरस्कार या दंड द्वारा नियंत्रित करके कुछ अभिवृत्तियाँ सिखायी जाती हैं।

(ii) ***प्राचीन अनुबन्धन***– सीखने की इस प्रक्रिया में एक तटस्थ उद्दीपक में वही भाव (अनुक्रिया) उत्पन्न करने की क्षमता आ जाती है। जैसे कोई क्रिकेट खिलाड़ी जिस बल्ले से खेलते हुए अत्यधिक रन बना लेता है तब वह उसके प्रति धनात्मक भाव विकसित कर लेता है।

(iii) ***प्रेक्षणात्मक सीख***– व्यक्ति अधिकांश बातें अन्य लोगों को देखकर सीखते हैं। वह सामान्य रूप से किसी क्रिया एवं नतीजे का मात्र अवलोकन करके नयी अनुक्रियाएँ सीख लेता है और इस प्रकार विभिन्न समूहों, पड़ोसियों एवं आदर्शों के बारे में अपनी अभिवृत्तियाँ बना लेता है।

Scanned with CamScanner

4 पूर्वाग्रह एवं रूढ़धारणा में विभेदन करें।
Differentiate between prejudice and stereotype.

उत्तर- पूर्वाग्रह किसी विशिष्ट समूह के प्रति अभिवृत्ति का उदाहरण है। ये प्रायः नकारात्मक होते हैं एवं अनेक स्थितियों में विशिष्ट समूह के संबंध में रूढ़धारणा (Stereotype) (संज्ञानात्मक घटक) पर आधारित होते हैं।

एक रूढ़धारणा किसी विशिष्ट समूह की विशेषताओं से संबद्ध विचारों का एक पुंज या गुच्छा होती है। इस समूह के सभी सदस्य इन विशेषताओं से युक्त माने जाते हैं। प्रायः रूढ़धारणाएँ लक्ष्य समूह के बारे में अवांछित विशेषताओं से युक्त होती है और ये विशिष्ट समूह के सदस्यों के बारे में एक नकारात्मक अभिवृत्ति या पूर्वाग्रह को जन्म देती है। पूर्वाग्रह के संज्ञानात्मक घटक के साथ प्रायः नापसंद या घृणा का भाव अर्थात् भावात्मक घटक जुड़ा होता है। पूर्वाग्रह भेदभाव के रूप में, व्यवहारपरक घटक, रूपांतरित या अनुदित हो सकता है, जब लोग एक विशिष्ट लक्ष्य समूह के प्रति उस समूह की तुलना में जिसे वे पसंद करते हैं कम सकारात्मक तरीके से व्यवहार करने लगते हैं। इतिहास में प्रजाति एवं सामाजिक वर्ग या जाति पर आधारित भेदभाव के असंख्य उदाहरण हैं। जर्मनी में नाजियों के द्वारा यहूदियों के विरुद्ध किया गया प्रजाति-संहार पूर्वाग्रह की पराकाष्ठा का एक उदाहरण है जो यह प्रदर्शित करता है कि कैसे पूर्वाग्रह घृणा, भेदभाव निर्दोष लोगों को सामूहिक संहार की ओर ले जाता है।

5 पूर्वाग्रह के कौन-से स्रोत हैं ? वर्णन करें।
What are sources of prejudice ? Explain.

उत्तर- पूर्वाग्रह के अनेक कारक हैं जो पूर्वाग्रह के अभिप्रेरणात्मक एवं सांवेगिक स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

(i) अभिप्रेरणात्मक स्रोत–

(a) *आत्मतुष्टि का आग्रह*– कुछ लोग दूसरों को नीचा दिखाकर अपने को सही ठहराते हैं। वे अपने को सही ठहराने के लिए दूसरों को आलसी, गैर-जिम्मेदार एवं महत्त्वाकांक्षारहित कहते हैं।

(b) *निज के प्रति पक्षपात*– हम प्रायः अपना और पराया दो श्रेणियों में बना लेते हैं और तदनुकूल व्यवहार करते हैं। हम अपने समूह के साथ जितना अधिक तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं उतना ही अधिक दूसरे समूहों के प्रति नकारात्मक विचार बना लेते हैं। यह आम अनुभव है कि हम अपनी असफलता का सेहरा दूसरों पर मढ़ देते हैं।

(c) *न्यायसंगत दुनिया की अवधारणा में विश्वास*– कहा जाता है कि लोग वही पाते हैं जिसके वे पात्र होते हैं। यदि समाज में कोई कम सुविधाओं वाला है तो अपनी स्थिति को सही सिद्ध करने के लिए कहते हैं कि लोग वहीं पाते हैं जिसके वे हकदार होते हैं।

(ii) संज्ञानात्मक स्रोत–

(a) *सामाजिक वर्गीकरण*– हम सभी विभिन्न सामाजिक समूहों या श्रेणियों के सदस्य होते हैं और प्रत्येक श्रेणी के सदस्यों के प्रति रूढ़ियाँ विकसित कर लेते हैं। जैसे अधिकतर यह माना जाता है कि पुरुष अधिक आक्रामक और स्त्रियाँ अधिक संवेदनशील होती हैं।

(b) *सकारात्मक अस्मिता की खोज*– हेनरी ताजफेल ने प्रस्तावित किया कि सकारात्मक सामाजिक अस्मिता या पहचान बनाए रखने के प्रयास में लोग अपने समूह की तुलना पक्षपात ढंग से करते हैं।

Scanned with CamScanner